आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 223 | उज्जैन, गुरुवार 03 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के वन्य-जीव रेस्क्यू सेंटर विकसित करने के निर्देश पर अमल

वनतारा जैसे नवाचारों को अपनाने से जियो और जीने दो वन्य-जीव संरक्षण ईको-सिस्टम बनेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में 'जियो और जीने दो' की भावना को केंद्र में रखकर सह-अस्तित्व आधारित ईको-सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे न केवल जैव विविधता का संरक्षण हो रहा है, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है और वनवासियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में कई नवाचार किए जा रहे हैं इनमें वन्यजीव अभयारण्यों के संरक्षण और प्रबंधन में उच्च तकनीक का अनुप्रयोग, गुजरात के 'वनतारा' से प्रेरित रैस्क्यू सेंटर, दुर्लभ जीवों जैसे चीते, घड़ियाल

एवं कछुओं के एक अभयारण्य से दूसरे में पुनर्स्थापन और संरक्षित क्षेत्रों की फेंसिंग शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विभाग के अधिकारियों को गुजरात के 'वनतारा' वन्यजीव पुनर्वास केंद्र का अध्ययन कर प्रदेश में भी ऐसा ही रेस्क्यू और एनिमल वेलफेयर प्रोजेक्ट स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल वन्यजीवों के संरक्षण और पुनर्वास में एक नई मिसाल पेश करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के घने वनों और वन्यजीव पर्यटन को राजस्व वृद्धि का एक प्रमुख माध्यम बताया।

उन्होंने वन अधिकारी-कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधाओं और उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रोत्साहन की घोषणा की। उन्होंने यह भी बताया कि वन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश में वन क्षेत्र और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी है। जैव-विविधता को बढ़ावा देने के लिए कई स्थलों को जैव-विविधता विरासत घोषित किया गया है। वन-अग्नि की घटनाओं पर विभाग की प्रतिक्रिया अब पहले से अधिक त्वरित हुई है, जो प्रभावी वन प्रबंधन को दर्शाता है।

वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उठाए गए प्रमुख कदम मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जिससे प्रदेश की छवि टाइगर स्टेट के रूप में और मजबूत हो रही है। प्रदेश में अब 9 टाइगर रिजर्व हो गये हैं। बाघ संरक्षण के साथ-साथ ये रिजर्व पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दे रहे हैं।

अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और भारत का संगठन क्वाड ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और भारत का संगठन क्वाड ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। मंगलवार को वाशिंगटन में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए इसमें मारे गये 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई है।

क्वाड ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया है कि वह इस हमले के दोषियों को सजा दिलाने में मदद करें। हालांकि जैसी भारत की मंशा थी पहलगाम हमले के संदर्भ में संयुक्त बयान में पाकिस्तान या इसकी तरफ से पोषित आतंकवादी संगठनों का नाम नहीं लिया गया है।

क्वाड की उक्त बैठक से पहले अपने संबोधन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम हमले के बारे में साफ तौर पर कहा था कि भारतीय नागरिकों पर इस तरह के आतंकी हमले आगे होंगे तो फिर से जवाबी कार्रवाई की जाएगी।

क्वाड के संयुक्त बयान में कहा गया है कि, क्वाड सीमा पार आतंकवाद समेत हर तरह के अतिवाद की कड़ी निंदा करता है। जम्मू व कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भी हम बेहद कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

हमले से पहले भारत को जवाबी कार्रवाई का अधिकार, राजनाथ सिंह की अमेरिका और पाकिस्तान को खरी-खरी

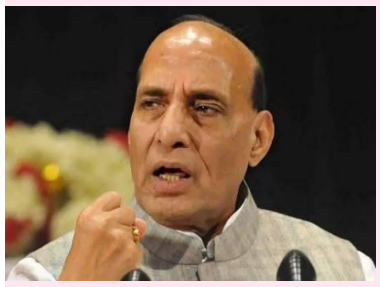

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर दुनिया को लाउड एंड क्लियर मैसेज दिया है कि अगर उसके ऊपर हमला किया जाता है तो वो इसका जवाब बड़े हमले से देगा। इसके साथ ही ये भी साफ कर दिया है कि अगर भारत को हमले की भनक भी लगेगी तो उसे पहले हमला करने का अधिकार है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के साथ इस सप्ताह लगभग 20 मिनट तक बातचीत की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने हेगसेथ से कहा कि पाकिस्तान की ओर से शुरू किए सीमा पार आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत को खुद का बचाव करने के लिए पहले हमला करने का अधिकार सुरक्षित है। इस बात की जानकारी सूत्रों के हवाले से बुधवार (02 जुलाई, 2025) को सामने आई।

आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह पाकिस्तान- इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के रिकॉर्ड को खंगालते हुए कहा कि भारत का पड़ोसी मुल्क आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।

भारत-अमेरिका रिश्तों में जमी बर्फ पिघली, जयशंकर की रणनीति से 10 वर्षीय सहयोग के फेमवर्क पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी ज्यादा आयात शुल्क बढ़ाने की वजह से तो कभी आपरेशन सिंदूर को लेकर बयानबाजी की वजह से तो कभी पाकिस्तान सेना के प्रमुख के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने की वजह से, हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के संबंधों में एक असहजता सी आ गई है। लेकिन पिछले 24 घंटों के दौरान दोनों देशों की सरकारों की तरफ से मौजूदा माहौल को दुरूस्त करने की गंभीर कोशिश होती दिखी है।

10 वर्षीय सहयोग के फ्रेमवर्क पर सहमति बनी

बुधवार देर रात एक तरफ जहां विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच बैठक में अगले दस वर्षों के सहयोग के फ्रेमवर्क पर सहमति बनी तो दूसरी तरफ व्हाईट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि, भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी समझौता अब बस होने ही वाला है, इसके लिए दोनों देश एक दूसरे के आयात पर शुल्क भी घटाने को तैयार हैं।

वाशिंगटन दौरे पर गये जयशंकर ने कुछ ही घंटों के अंतराल में वहां विदेश मंत्री मार्को रोबियो, रक्षा मंत्री हेगसेथ और ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट से अलग अलग मुलाकात की। तीनों मुलाकातों का अपना व्यापक एजेंडा था। जयशंकर से मुलाकात से पहले हेगसेथ ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से टेलीफोन पर बात की थी, जिसमें द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से जुड़े कई आयामों पर बात हुई।

जयशंकर-हेगसेथ मुलाकात के बाद जारी बयान में अमेरिकी रक्षा विभाग ने बताया है कि इसमें हथियारों की बिक्री और नये रक्षा सहयोग के फ्रेमवर्क पर बात हुई है।

आपस में उलझे एनडीए के घटक दल, मांझी ने नापा चिराग का अनुभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। एकता के दावे के बावजूद राज्य में एनडीए के दो घटक दल लोजपा (रा) और हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा आपस में उलझने का कोई अवसर हाथ से नहीं जाने दे रहे हैं। मोर्चा के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने एक दिन पहले लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के बारे में कहा था कि उनमें अनुभव की कमी है।

बुधवार को चिराग के बहनोई और पार्टी के सांसद अरुण भारती ने कहा- बिहार विधानसभा में बहुमत साबित करने से पहले इस्तीफा देने का अनुभव वाकई चिराग पासवान के पास नहीं है। भारती ने यह कटाक्ष मांझी पर किया। फरवरी 2015 में मांझी राज्य के मुख्यमंत्री थे। वह जदयू की सरकार थी। आग्रह के बावजूद मुख्यमंत्री पद न छोड़ने के कारण जदयू से मांझी को निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने विश्वास मत हासिल करने की घोषणा की थी। लेकिन, उससे पहले उन्होंने मुख्यमंत्री पद से त्याग पत्र दे दिया।

भारती ने अपने एक्स पोस्ट में उसी प्रसंग का हवाला देते हुए मांझी पर तंज कसा। हालांकि पोस्ट में उन्होंने उनका नाम नहीं लिया। एनडीए में लोजपा (रा) के अगले कदम को लेकर भी संशय बना हुआ है। चिराग इस मुद्दे पर साफ-साफ नहीं बोल रहे हैं। 29 जून को राजगीर में आयोजित पार्टी के एक कार्यक्रम में चिराग ने कहा-मैं बिहार से नहीं, बिहार के लिए चुनाव लड़ूंगा। अरुण भारती ने बुधवार को अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो साझा किया।

सोनीपत पुलिस लाइन में ASI की बिगड़ी तबीयत, इलाज के दौरान मौत

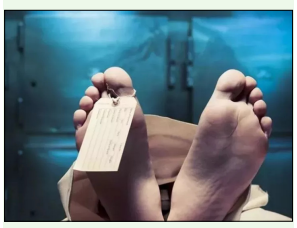

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुलिस लाइन में एएसआई की तबीयत बिगड़ने से उसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बता दें कि झज्जर के 48 साल के सुनील कुमार लंबे समय से पुलिस लाइन में थे तैनात, मौत के कारणों की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

गांव खानपुर कलां के मेडिकल कॉलेज में शव का पोस्टमार्टम करवा कर स्वजन को सौंप दिया है। 15 दिन से वह छुट्टी पर चल रहे थे, एक महीना पहले शिकायत के बाद एसआई से डिमोट होकर एएसआई बने थे।

ब्राजील की मेजबानी में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 दिवसीय विदेश दौरा बुधवार से शुरू हो रहा है। इस दौरान वह अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कई देशों की यात्रा करेंगे। इसके अलावा वह ब्राजील की मेजबानी में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे। सम्मेलन में वह ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। आइये जानते हैं उनकी यह यात्रा कैसे ग्लोबल साउथ में भारत की धमक बढ़ाएगी।

घाना (2-3 जुलाई)- यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी और वह पिछले तीन दशक में यहां आने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। घाना के राष्ट्रपति जान महामा 2015 में इंडिया- अफ्रीका फोरम समिट के लिए भारत आए थे। वह जनवरी 2025 में तीसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं।

घाना भारत को बड़े पैमाने पर वस्तुओं का निर्यात करता है- घाना पश्चिम अफ्रीका की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। दोनों देश व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। घाना भारत को बड़े पैमाने पर वस्तुओं का निर्यात करता है। घाना से भारत के आयात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी गोल्ड की है।

घाना से भारत के आयात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी गोल्ड की- प्रधानमंत्री मोदी महामा के साथ द्विपक्षीय भागीदारी की समीक्षा करने के साथ ही आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा और विकास सहयोग के जरिये इसे और मजबूत बनाने के तौर- तरीकों पर बात करेंगे।

त्रिनिदाद एवं टोबैगो (3-4 जुलाई)- कैरिबियाई द्वीप में रहने वाले कुल प्रवासी भारतीयों में से 40-45 प्रतिशत त्रिनिदाद एवं टोबैगो में रहते हैं। प्रधानमंत्री कमला परसाद बिसेसर और राष्ट्रपति क्रिस्टिनी कार्ला कंगालू दोनों भारतीय मूल के हैं।

प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगों की पहली यात्रा होगी। 1999 के बाद भारतीय पीएम की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा भी होगी। पीएम मोदी ने नवंबर 2024 में गुयाना की यात्रा की थी।

आठ माह में कैरेबियाई द्वीप की दूसरी यात्रा से संकेत मिलता है कि भारत क्षेत्र को कितनी अहमियत दे रहा है। करीब 180 वर्ष पहले भारतीय प्रवासी यहां त्रिनिदार एवं टोबैगो आए थे। दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं और वित्त वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 34.16 करोड़ डॉलर पहुंच गया।

डोनाल्ड ट्रंप से क्या है लारा का कनेक्शन? जानिए कैसे बनीं अमेरिकी राष्ट्रपति की फेवरेट, नॉर्थ कैरोलिना सीट से लड़ सकती हैं चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले साल अमेरिका में उपचुनाव होने वाले हैं। इस लिस्ट में संसद की अहम सीट मानी जाने वाली नॉर्थ कैरोलिना सीट का नाम भी शामिल है। नॉर्थ कैरोलिना पर जीत के लिए रिपब्लिकन और डैमोक्रोट पार्टी में होड़ मची रहती है। वहीं, आगामी उपचुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की बहू लारा ट्रंप यहां से चुनाव लड़ सकती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ही इसकी घोषणा की है। ट्रंप का कहना है कि नॉर्थ कैरोलिना सीट से लारा उनकी पहली पंसद हैं। तो आइए जानते हैं कि एक आम टीवी रिपोर्टर से संसदीय चुनाव लड़ने जा रही लारा आखिर डोनाल्ड ट्रंप की फेवरेट कैसे बनीं?

नॉर्थ कैरोलिना में जन्मीं, 2014 में ट्रंप फैमिली का हिस्सा बनीं- लारा ट्रंप का असली नाम लारा युनास्का है। लारा का जन्म नॉर्थ कैरोलिना के विलमिंगटन में हुआ था। 2014 में लारा ने डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे नंबर के बेटे एरिक ट्रंप से शादी रचाई और वो लारा युनास्का से लारा ट्रंप बन गईं। एरिक से शादी के पहले लारा को शायद ही कोई जानता था, मगर ट्रंप फैमिली में आते ही लारा का नाम अमेरिका की जानी-मानी हस्तियों शुमार हो गया।

हाल ही में नॉर्थ कैरोलिना सीट के लिए लारा के नाम का एलान करते हुए ट्रंप ने कहा- लारा नॉर्थ कैरोलिना में ही पली-बढ़ी हैं। बेशक अब वो फ्लोरिडा में रहती हैं, लेकिन नॉर्थ कैरोलिना से आज भी उनका खास जुड़ाव है।

लारा कैसे बनीं ट्रंप की फेवरेट- 2014 में शादी के बाद लारा सिर्फ ट्रंप ब्रांड का हिस्सा नहीं बनी बल्कि उन्होंने इसमें चार चांद लगाने का काम भी किया। 2016 में जब ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में खड़े होने का मन बनाया तो वो लारा ही थीं, जिसने ट्रंप के डिजिटल वीडियो बनाकर उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रमोट किया। शादी से पहले टीवी रिपोर्टर रहीं लारा ने जब ट्रंप की कहानी को खास अंदाज में लोगों के सामने रखा, तो अमेरिका में भी ट्रंप फर्स्ट की लहर दौड़ पड़ी।

ट्रंप की जीत में लारा का अहम रोल- 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में जब डोनाल्ड ट्रंप मैदान में उतरे, तो लारा ने एक बार फिर चुनाव प्रचार की बागडोर अपने हाथों में ली। लारा रिपब्लिकन नेशनल कमेटी की उपाध्यक्ष थीं।

सिंधु जल संधि पर भारत ने दी टेंशन, पाकिस्तान ने आखिरकार कबूला सच; शहबाज सरकार ने किया बड़ा एलान

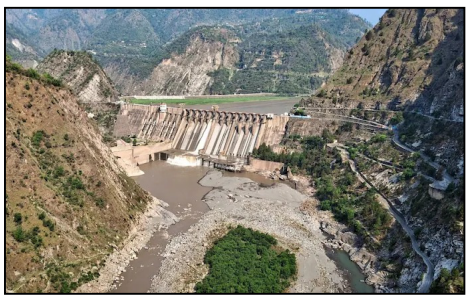

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने ऐलान किया है कि उनकी सरकार पानी के भंडारण के तरीके को मजबूत करेगी। ये फैसला ऐसे वक्त में आया है जब भारत ने 1960 के सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का कदम उठाया था।

पाकिस्तान की बड़े पैमाने पर खेती-बाड़ी सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों पर निर्भर है। अगर इन नदियों के जलस्तर में कमी आई तो पाकिस्तान दाने-दाने को मोहताज हो जाएगा और बूंद-बूंद पानी को तरस जाएगा।

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने मंगलवार को नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर के दौरे के दौरान इस मसले पर बात की। सरकारी न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक, उन्होंने कहा कि दुश्मन जल समझौते के खिलाफ कदम उठाना चाहता है।

शहबाज शरीफ ने कहा, हमारी हुकूमत ने फैसला किया है कि हम अपनी पानी के भंडार बनाएंगे।÷ उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तानी सरकार पानी को बरतने के तरीके पर काम करेगी और भंडारण इसमें अहम कड़ी होगी, जिसमें डायमर भाशा डैम जैसे प्रोजेक्ट्स शामिल होंगे।

उन्होंने कहा, हम अपनी ताकत से अगले कुछ सालों में पानी को स्टोर करने की क्षमता तैयार कर लेंगे। इसमें नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी का अहम किरदार होगा।

पहलगाम हमले के बाद अब पाकिस्तान को सता रही पानी की चिंता - 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाए। भारत सरकार ने सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया। ये समझौता दोनों मुल्कों के बीच पानी के बंटवारे का अहम जरिया है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को 6 महीने की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर एक बार फिर मुसीबत आ गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना को बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) की अदालत की अवमानना ??के मामले में छह महीने जेल की सजा सुनाई गई।

ढाका ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि यह फैसला अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 की तीन सदस्यीय पीठ की ओर से जारी किया गया। इस पीठ की अध्यक्षता अध्यक्ष न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार कर रहे थे।

पहली बार किसी मामले में सजा सुनाई गई

इसी फैसले में न्यायाधिकरण ने गैबांधा के गोविंदगंज निवासी शकील अकंद बुलबुल को भी दो महीने की जेल की सजा सुनाई। यह पहली बार है जब अपदस्थ अवामी लीग नेता को 11 महीने पहले पद छोड़ने और देश छोड़कर भागने के बाद किसी मामले में सजा सुनाई गई है।

स्वेज की खाड़ी में तेल-ड्रिलिंग जहाज पलटा, चार की मौत; मामले की जांच जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वेज की खाड़ी में तेल-ड्रिलिंग जहाज पलटने से चालक दल के चार सदस्यों की मौत हो गई और चार अन्य लापता हैं। मिस्त्र के पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि ड्रिलिंग जहाज मंगलवार शाम को स्वेज की खाड़ी के अफ्रीकी हिस्से में रस घारेब शहर के पास पलट गया। यह अहम शिपिंग मार्ग है।

लाल सागर प्रांत के गवर्नर अमर हनाफी ने कहा कि जब ड्रिलिंग जहाज पलटा, तब उसमें 30 कर्मचारी सवार थे। बचाव दल ने चार शव बरामद किए और 22 अन्य को बचाया लिया गया। उन्होंने कहा कि मिस्त्र की नौसेना बचाव प्रयासों में लगी है। वह चालक दल के चार लापता सदस्यों की तलाश कर रहे हैं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि ड्रिलिंग जहाज के पलटने का कारण क्या था और अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि जब जहाज पलटा, तब इसे दूसरे क्षेत्र में खुदाई के लिए खींचा जा रहा था। मंत्रालय ने कहा कि यह घटना गैबेल एल-जीत नामक क्षेत्र में हुई, जो स्वेज नहर से लगभग 300 किलोमीटर दक्षिण में एक प्रमुख मिस्त्र का तेल उत्पादन स्थल है।

जोहरान ममदानी ने जीता न्यूयॉर्क सिटी मेयर का प्राइमरी चुनाव, ट्रंप बोले- इनको चुनने वाले पागल ही होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क शहर के डेमोक्रेटिक मेयर प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है, मंगलवार को नई मतगणना में इसकी पुष्टि हुई है। वहीं, अब ममदानी की पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराने की उनकी जीत और मजबूत हो गई है और अब वे आम चुनाव में पहुंच गए हैं।

चार नवंबर को निर्धारित न्यूयार्क शहर के मेयर पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की जीत की संभावना प्रबल मानी जा रही है।

मतदाताओं के पसंदीदा उम्मीदवार हैं ममदानी- कुओमो ने हालांकि तुरंत अपनी हार स्वीकार कर ली थी। लेकिन, शहर के रैंक्ड चाइस वोटिंग मॉडल के कारण विजेता को स्थापित करने के लिए और अधिक परिणामों की आवश्यकता है। इसके तहत, यदि मतदाताओं का पसंदीदा उम्मीदवार दौड़ से बाहर हो जाता है, तो यह मॉडल उनकी दूसरी, तीसरी, चौथी और यहां तक कि पांचवीं वरीयताओं को भी गिनने की अनुमति देता है।

मंगलवार को निर्वाचन बोर्ड ने अगले दौर के नतीजों की भी घोषणा अर्थात् ममदानी और कुओमो के बीच विजेता का फैसला कर दिया। इसमें भी ममदानी ने कुओमो को आश्चर्यजनक रूप से पराजित कर दिया है। इसके बाद अब वह आम चुनाव में मैदान में उतरेंगे, जिसमें वर्तमान मेयर एरिक एडम्स के साथ-साथ स्वतंत्र उम्मीदवार जिम वाल्डेन और रिपब्लिकन कर्टिस स्लीवा भी शामिल हैं।

हमारे डर से लाखों यहूदी बंकरों में छिपे, हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर बरसाए बम, रक्षा मंत्री बोले- ईरान जैसा हाल करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली सेना ने मंगलवार को एक बड़ा खतरा टालते हुए यमन से दागी गई मिसाइल को हवा में ही नष्ट कर दिया। दूसरी तरफ, यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने इजरायल पर न सिर्फ मिसाइल बल्कि ड्रोन हमले भी किए।

हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने टेलीग्राम पर कहा कि उनकी फौज ने पैलेस्टाइन 2 हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल से याफा के लोद हवाई अड्डे को निशाना बनाया।

उन्होंने कहा कि यह हमला कामयाब रहा, जिससे लाखों यहूदी डर के मारे बंकरों में छिप गए और हवाई अड्डे का कामकाज ठप हो गया। इजरायल ने इस मिसाइल को रोकने की पुष्टि की, लेकिन हूती के ड्रोन हमले के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की।

कई इलाकों में ड्रोन हमलों का दावा- हूती विद्रोहियों ने अपने टेलीग्राम पोस्ट में यह भी कहा कि उन्होंने याफा, अश्कलोन और उम्म अल-रशरश जैसे इलाकों में संवेदनशील ठिकानों पर ड्रोन हमले किए। यह हमले इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुई 12 दिन की जंग के बाद हुए, जिसमें इजरायल ने ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी।

इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, यमन को वही सजा मिलेगी जो तेहरान को मिली। उन्होंने कहा, तेहरान में सांप के सिर पर वार करने के बाद अब हम यमन में हूतियों को सबक सिखाएंगे। जो भी इजरायल के खिलाफ हथियार उठाएगा उसका हाथ काट दिया जाएगा।

रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 फीसदी टैक्स लगाएगा अमेरिका, भारत के लिए क्यों खतरे की घंटी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने रूस के साथ व्यापार करने वाले मुल्कों पर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। रूस की यूक्रेन के खिलाफ जंग के तीन साल बाद भी कुछ देश, खासकर भारत और चीन, रूस से तेल खरीद रहे हैं।

इसके बाद अब अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक बिल को पेश किया है। इसमें रूस से व्यापार करने वाले मुल्कों पर 500 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही गई है।

इस बिल को खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन हासिल है। इस खबर ने भारत जैसे मुल्कों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है, जो रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। आइए जानते हैं, ये बिल क्या है और भारत पर इसका क्या असर पड़ सकता है।

ग्राहम ने रविवार को एबीसी न्यूज से बात करते हुए कहा कि ट्रंप ने इस बिल को जुलाई की छुट्टियों के बाद वोट के लिए लाने की हरी झंडी दे दी है। ये बिल रूस की जंगी मशीनरी को कमजोर करने और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन मसले पर बातचीत की मेज तक लाने का हथियार है।

बिल में क्या है- ये बिल रूस से तेल और अन्य सामान खरीदने वाले मुल्कों, खासकर भारत और चीन, पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की बात करता है। सीनेटर ग्राहम का कहना है कि भारत और चीन, रूस का 70 फीसदी तेल खरीदते हैं। इस बिल के जरिए अमेरिका इन मुल्कों पर दबाव बनाना चाहता है ताकि वो रूस से व्यापार बंद करें।

अयोध्या या उज्जैन समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर रूम बुक करने से पहले बरतें सावधानी

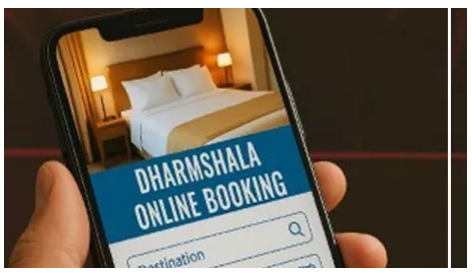

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्सर लोग अयोध्या या उज्जैन समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर जाने से पहले धर्मशाला में ऑनलाइन कमरा बुक करा लेते हैं, लेकिन इसी में उनके साथ ठगी हो जाती है। इस रिपोर्ट में हम इसी तरह के फ्रॉड के बारे में बताएंगे।

नेशनल क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल में शिकायत- इंदिरापुरम के मयूर कृष्ण झा का कहना है कि उन्होंने अयोध्या की बिड़ला धर्मशाला में रूम बुक करने के लिए ऑनलाइन सर्च किया तो इस नाम से बनी वेबसाइट मिली। उसमें दिए गए नंबर पर कॉल करने पर उनसे दो एसी कमरों के लिए 3200 प्लस 40 रुपये मांगे। क्यूआर कोड पर उन्होंने 3240 रुपये का पेमेंट कर दिया। करीब 20 दिन बाद जब कोई बुकिंग डिटेल नहीं मिली तो नेशनल क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल में शिकायत की थी।

वेबसाइट्स को करा दिया था बंद- वेबसाइट को चेक करने पर पता चला कि इसमें एआई जेनरेटेड तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है। इनमें सभी पर मेटा एआई का लोगो लगा हुआ है। गूगल पर सर्च करने पर बिड़ला धर्मशाला के नाम से दो और वेबसाइट दिखीं। अयोध्या साइबर क्राइम थाने के प्रभारी सूर्य विजय सिंह का कहना है कि उनके पास इस तरह की कुछ शिकायतें आई थीं, जिसके बाद उन्होंने बिड़ला धर्मशाला के नाम पर चल रही वेबसाइट्स को बंद करा दिया था।

हरिद्वार में धर्मशाला के नाम पर भी ठगी- बिड़ला धर्मशाला के मैनेजर पवन सिंह ने बताया कि उनकी कोई भी वेबसाइट नहीं है। धर्मशाला में आकर ही बुकिंग की जा सकती है। इसी तरह से अयोध्या की जानकी महल ट्रस्ट, खाटू श्याम में सांवरिया धर्मशाला, उज्जैन में महाकाल मंदिर की धर्मशाला और हरिद्वार में धर्मशाला के नाम पर भी ठगी की जा चुकी है।

पति और ससुरालवालों की मांगों से तंग आकर महिला ने आत्महत्या कर ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में दहेज की मांग को लेकर बहुत हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। तमिलनाडु के तिरुपुर में 300 स्वर्ण सिक्के के लिए प्रताड़ित की गई नवविवाहिता महिला ने आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने सोमवार को बताया कि 27 वर्षीय महिला, जिसकी शादी मात्र ढाई महीने पहले हुई थी, उसने अपने पति और ससुराल वालों को अपने जीवन को समाप्त करने के निर्णय के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए आत्महत्या कर ली।

महिला ने अपने पिता को भेजा ऑडियो संदेश- महिला रिथान्या ने अपने पिता को भेजे एक ऑडियो संदेश में आरोप लगाया कि उसके पति कविनकुमार ने उसे शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। उसने आरोप लगाया कि उसके ससुर ईश्वरमूर्ति और सास चित्रादेवी ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। महिला ने तंग आकर कीटनाशक खाकर अपनी जान दे दी।

पति ने की मारपीट- पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज की मांग की और शादी के लगभग 15 दिन बाद ही समस्याएं शुरू हो गईं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उनकी बेटी को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक यातना सहनी पड़ी।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। मानसून की जोरदार बारिश के कारण कई जगहों पर बाढ़ के हालात बन गए हैं। खासकर पहाड़ी राज्यों में मानसून जमकर कहर बरसा रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने भी कुछ राज्यों में बारिश का भारी अलर्ट जारी किया है।

IMD के अनुसार,पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में आज भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज चमक के साथ बारिश देखने को मिल सकती है।

यूपी में कहां होगी बारिश-IMD के अनुसार, आज यूपी के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और तेज बारिश की संभावना है। खासकर प्रयागराज और झांसी समेत दक्षिणी उत्तर प्रदेश में IMD ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा बलिया, वाराणसी, बिलासपुर, इटावा और कानपुर में भी बारिश का येलो अलर्ट जारी हुआ है।

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम- दिल्ली एनसीआर को अगले कुछ दिनों तक बारिश से राहत नहीं मिलेगी। यहां के लोगों को फिर से उमस और चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, इस दौरान आसमान बादल छाए रहेंगे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने स्पष्ट किया है कि वे पूरे पांच साल तक इस पद पर बने रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर किए जा रहे सारे कयास धरे के धरे रह गए। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने साफ कर दिया है कि वह पूरे पांच साल तक अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे और कोई भी अफवाह उनकी राह में रोड़ा नहीं बन सकती।

दूसरी तरफ, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी खुलकर उनका साथ देने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, मेरे पास और कोई रास्ता नहीं, मुझे उनके साथ खड़ा होना है और उनका साथ देना है।

मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के सामने मेरा कोई सवाल ही नहीं उठता- शिवकुमार ने हाल ही में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, मैंने किसी से मेरे पक्ष में बोलने को नहीं कहा। जब मुख्यमंत्री (सिद्दरमैया) मौजूद हैं, तो ऐसी बातों का कोई सवाल ही नहीं उठता।

उन्होंने यह भी साफ किया कि पार्टी हाईकमान जो भी फैसला लेगा, वह उसी का पालन करेंगे। शिवकुमार ने विधायकों में किसी भी तरह की नाराजगी से इनकार किया और कहा कि वह सिर्फ जिम्मेदारी तय कर रहे हैं।

सिद्दरमैया ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में दो टूक कहा, हां, मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा। आपको क्यों शक है?

उन्होंने बीजेपी और जेडी(एस) पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया और कहा, क्या वे कांग्रेस का हाईकमान हैं?

नेतृत्व को लेकर उठते रहते हैं सवाल- कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही नेतृत्व को लेकर सवाल उठते रहे हैं। मई 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद डीके शिवकुमार के समर्थकों को उम्मीद थी कि उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी मिलेगी। लेकिन, 135 विधायकों का बहुमत समर्थन हासिल कर सिद्दरमैया मुख्यमंत्री बने, जबकि शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

गुजरात हाईकोर्ट ने वरिष्ठ वकील पर लिया एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट से एक अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। एक केस की वर्चुअल सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील को जज के सामने बियर पीते देखा गया, जिससे जज का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने वकील के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेने का फैसला किया।

यह मामला 26 जून का है, जब गुजरात हाईकोर्ट में जस्टिस संदीप भट्ट एक केस की वर्चुअल सुनवाई कर रहे थे। तभी हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील जज के सामने पेश हुए। इस दौरान उनके हाथ में एक कप था, जिससे वो बियर पी रहे थे।

गुजरात हाईकोर्ट ने क्या कहा- गुजरात हाईकोर्ट में जस्टिस ए.एस.सूपाहिया और जस्टिस आर.टी.वच्छानी ने वकील की इस हरकत को न्यायालय की अवमानना करार दिया है। उन्होंने मामले पर सुओ मोटो एक्शन (स्वतः संज्ञान) लेते हुए अगले आदेश तक वकील की पेशी पर रोक लगा दी है।

हाईकोर्ट ने कहा- अगला आदेश पारित होने तक संबंधित वकील वर्चुअल माध्यम से पीठ के सामने पेश नहीं हो सकेंगे। उनके इस कृत्य से अदालत की मर्यादा को ठेस पहुंची है। ऐसे में अगर इसे अनदेखा किया गया तो यह विनाशकारी साबित होगा।

वकील पर कार्रवाई करना क्यों जरूरी- हाईकोर्ट के जजों का कहना है कि बार के अन्य वकील भी वरिष्ठ वकीलों को फॉलो करते हैं। वो उन्हें ही अपना आदर्श मानते हैं। ऐसे में अगर इसके खिलाफ कार्रवाई न की गई, तो इससे गलत मिसाल पेश होगी। भविष्य में कई और अधिवक्ता भी ऐसा कदम उठा सकते हैं।

हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार को आदेश दिया है कि वकील के खिलाफ अवमानना की याचिका दर्ज की जाए। अगला आदेश आने तक संबंधित वकील पीठ के सामने वर्चुअल सुनवाई में पेश नहीं होंगे। साथ ही हाईकोर्ट ने वकील की उपाधि पर भी पुनर्विचार करने की सलाह दी है।

मशीन बदलने को कहा था, पर एक न सुनी, मैनेजमेंट के खिलाफ केस दर्ज, कंपनी ने 1-1 करोड़ मुआवजे का किया एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पशम्यलारम यूनिट में दो दिन पहले हुआ भीषण धमाका अभी भी लोगों के दिलों में खौफ पैदा कर रहा है। इस हादसे में 40 जिंदगियां खाक हो गईं और 33 लोग जख्मी हो गए।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर फैक्ट्री मैनेजमेंट के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायत में कहा गया है कि कंपनी मैनेजमेंट ने पुरानी मशीनों को बदलने की अर्जी को अनसुना कर दिया गया था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि स्प्रे ड्रायर यूनिट में दबाव बढ़ने से धमाका हुआ। इस यूनिट में माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज को सुखाने का काम होता है और इसमें महीन केमिकल धूल ने आग को और भड़काया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मृतकों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों को 10 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। इसके साथ कंपनी की ओर से भी मृतकों के परिवारों एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

शिकायतकर्ता यशवंत राजनाला के पिता राजनाला वेंकट जगन मोहन 20 साल से सिगाची में काम कर रहे थे। यशवंत ने बताया कि उनके पिता ने कई बार मैनेजमेंट को पुरानी मशीनों के खतरे के बारे में चेताया था। मगर मैनेजमेंट ने उनकी एक न सुनी, जिसके नतीजे में यह भयानक हादसा हुआ।

FIR में मैनेजमेंट पर गंभीर आरोप- संगारेड्डी पुलिस ने यशवंत की शिकायत पर मैनेजमेंट के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या), 110 (गैर-इरादतन हत्या की कोशिश), और 117 (गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत FIR दर्ज की है। FIR में कहा गया है कि कर्मचारियों ने बार-बार मैनेजमेंट को पुरानी मशीनों को बदलने की सलाह दी थी, क्योंकि इनसे बड़ा हादसा हो सकता था। लेकिन मैनेजमेंट ने इन चेतावनियों को नजरअंदाज किया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण अष्टमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

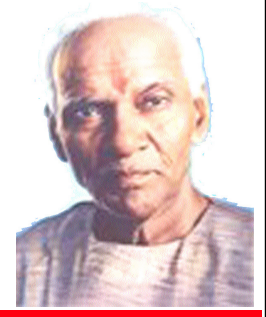

संपादकीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाँ में चल रहे अनेको युद्धों को रोकने के लिए रुचि दिखा रहे हैं...

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ देख रही थी कि पिछले कुछ महीनो से कैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाँ में चल रहे अनेको युद्धों को रोकने के लिए रुचि दिखा रहे हैं, जिसमें शामिल हैउनके 12 बार दोहराना कि भारत-पाक युद्ध विराम उन्होंने करवाया,सीरिया से प्रतिबंध हटाना,रूस यूक्रेन युद्ध विराम में रुचि,ईरान इजरायल में युद्ध विराम सहित इस दिशा में अनेकों कार्य कर रहे हैं। हालांकि इसके बावजूद युद्ध विराम देशों में तनाव तल्ख़ बढ़ी हुई है, परंतु उनकी कोशिशों को रेखांकित करना होगा, उनको नोबेल शांति पुरस्कार की उम्मीद को भी रेखांकित करना होगा। हालांकि इस पुरस्कार के दावेदार अनेकों लोग अनेकों वर्षों से वैश्विक शांति पर काम कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी समर्पित कर दी है।अभी 1जुलाई 2025 को अमेरिका में एक तरह से ट्रंप-मस्क के बीच भिड़ंत जुबानी शाब्दिक जंगबाजी एक तरह से गृहयुद्ध से गिर गए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जिस दोस्ती के साथ ट्रंप-मस्क चुनाव में जनता का विश्वास अर्जित कर जीत हासिल किए व अमेरिका को मेकिंग ग्रेट अमेरिका अगेन के वादे के विपरीत तगड़ी भिड़ंत कर जुबानी जंग बाजी कर अमेरिका के मतदाताओं का विश्वास भंग करके माहौल खराब करने की ओर अग्रसर कर अमेरिका की राजनीतिक, आर्थिक स्थिति सहित अपने रुतबे को कम कर दुनियाँ में कम करने से बेहतर रहेगा कि आपसी समझौता कर स्थिति को गंभीरता की ओर जाने से बचने की जरूरत है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ट्रंप-मस्क की लड़ाई,अमेरिकी राजनीति, अर्थव्यवस्था और वैश्विक प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण दुष्परिणाम ला सकती है-जनहित में मतभेद सुलझाना जरूरी।

साथियों बात अगर हम ट्रंप-मस्क के टकराव को राजनीतिक आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो, यह एक दिलचस्प प्रश्न है!अमेरिका में ट्रंप और मस्क के बीच का विवाद एक राजनीतिक और आर्थिक शक्ति के टकराव का प्रतीक है।डोनाल्ड ट्रंप, एक शक्तिशाली राजनीतिक व्यक्तित्व हैं, जिनके पास एक मजबूत समर्थक आधार है। उनकी राजनीतिक शक्ति और प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। दूसरी ओर, मस्क एक सफल उद्योगपति और व्यवसायी हैं,जिनके पास अरबों डॉलर की संपत्ति है। उनकी कंपनियां, जैसे कि टेस्ला और स्पेसएक्स, विश्व स्तरपर प्रसिद्ध हैं और उनके पास एक मजबूत आर्थिक आधार है। इस विवाद में, यह कहना मुश्किल है कि किसकी शक्ति अधिक प्रभावी होगी। लेकिन यहाँ कुछ बातें हैं जिन पर विचार किया जा सकता हैट्रंप की राजनीतिक शक्ति और समर्थक आधार उनके लिए एक मजबूत पक्ष हो सकता है।मस्क की आर्थिक शक्ति और उनकी कंपनियों की वैश्विक पहुंच उनके लिए एक मजबूत पक्ष हो सकती है।हालांकि, यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अमेरिका में न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है इस विवाद के निपटारे में।

ट्रंप और मस्क के बीच विवाद का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है (1) बाजार की अस्थिरता- टेस्ला और अन्य कंपनियों के शेयरों की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो सकता है,जिससे बाजारकी अस्थिरता बढ़ सकती है।

दिगेन्द्र सिंह

नायक दिगेन्द्र सिंह भारत के वह नायक, जिन्हें 30 साल की उम्र में तत्कालीन राष्ट्रपति के. आर. नारायणन ने देश दूसरे सबसे बड़े गैलेंट्री अवॉर्ड महावीर चक्र से नवाजा था। कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने अपनी टीम के सहयोग से 48 पाकिस्तानी सैनिकों को मारकर न केवल देश को बड़ी कामयाबी दिलाई बल्कि पांच गोलियां लगने के बावजूद पाकिस्तानी मेजर मारते हुए तोलोलिंग की चोटी पुन- फतह की और 13 जून, 1999 की प्रभात बेला में तिरंगा लहरा दिया।

परिचय

राजस्थान के सीकर जिले की नीमकाथाना तहसील के एक गांव में जाट परिवार में जन्मे दिगेन्द्र सिंह बचपन से सैन्य माहौल में पले-बढ़े। उनके नाना स्वतंत्रता सेनानी रहे थे तो पिता भारतीय सेना के वीर योद्धा रहे। 1947-1948 के युद्ध के दौरान दिगेन्द्र के पिता शिवदान सिंह के जबड़े में 11 गोलियां लगी थीं, फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी थी।

सेना में भर्ती

अपने पिता से प्रेरित दिगेन्द्र सिंह 2 राजपूताना राइफल्स में भर्ती हो गए थे। राजपूताना राइफल्स में भर्ती के दो साल बाद 1985 में दिगेन्द्र सिंह को श्रीलंका के जंगलों में प्रभाकरण के तमिल टाइगर्स के खिलाफ अभियान के लिए गई इंडियन पीस कीपिंग फोर्स में भेजा गया। इस अभियान के दौरान ही एक ही दिन में दिगेन्द्र ने आतंकियों को मार गिराया, दुश्मन का गोला-बारूद का ठिकाना नष्ट किया और उनके कब्जे से पैराट्रूपर्स को छुड़ाया। यह सब अचानक हुआ था, जब वह अपने जनरल के साथ गाड़ी से जा रहे थे और रास्ते में पुल के नीचे से लिट्टे के कुछ आतंकियों ने जनरल की गाड़ी पर हेंड ग्रेनेड फेंका था, दिगेन्द्र ने उसी ग्रेनेड को कैच किया और वापस आतंकियों की ओर उछाल दिया था।

इसके कुछ साल बाद उन्हें कश्मीर के कुपवाड़ा में भेजा गया। जहां उन्होंने आंतकियों का काम तमाम करना जारी रखा। उन्होंने एरिया कमांडर आतंकी मजीद खान का खात्मा किया। अपनी वीरता तथा शौर्य के लिए सेना पदक से सम्मानित किए गए। इसके तकरीबन सालभर बाद ही 1993 में दिगेन्द्र सिंह ने हजरतबल दरगाह को आंतकियों के चंगुल से आाजद कराने में अहम भूमिका निभाई थी। जिसके लिए भी उन्हें सराहना मिली। लेकिन दिगेन्द्र के लिए यह सब छोटी उपलब्धियां थीं। वह बेबाक और निर्भीक योद्धा अपनी मातृभूमि के लिए कुछ बड़ा करना चाहता था। इसका उसे मौका भी मिला।

बेहतरीन कमांडों

साल 1999 के आते-आते नायक दिगेन्द्र सिंह उर्फ कोबरा सेना के बेहतरीन कमांडों में गिने जाने लगे थे। इसी वर्ष 13 जून के दिन जो हुआ उसने दिगेन्द्र सिंह को जीते जी अमर कर दिया। उन्होंने 15,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित तोलोलिंग की चोटी और पोस्ट जीता बल्कि उस पर तिरंगा फहराकर हिंदुस्तान को पहली बड़ी एवं महत्वपूर्ण कामयाबी दिलाई। इस अभियान के दौरान उन्हें पांच गोलियां लगीं, लेकिन वे न रुके, न थके, न अटके, न भटके और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते चले गए। उनकी राह में जो भी आया, उसका फुर्ती के साथ खात्मा करते गए।

कारगिल युद्ध

कारगिल युद्ध छिड़ने के बाद दिगेन्द्र की यूनिट 2 राजपूताना राइफल्स को 24 घंटें में कुपवाड़ा से पहुंचने और अगले 24 घंटे में जंगी मोर्चा संभालने के लिए तैयार रहने का निर्देश मिला था। तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल वी. पी. मलिक ने तैयारी बैठक ली। इसमें दिगेन्द्र सिंह ने उन्हें तोलोलिंग चोटी पर चढ़ाई की अपनी योजना समझाई। जनरल मलिक के निर्देशानुसार नायक दिगेन्द्र को घातक टीम का कमांडर बनाया गया और उनके कमांडिंग ऑफिसर मेजर विवेक गुप्ता को बनाए गए। बफीलीं पहाड़ी पर ठंड की कंपकपाहट के साथ रात के सन्नाटे में 12 जून की रात को चढ़ाई पूरी की। पाकिस्तानी सेना ने वहां 11 बंकर बना रखे थे। पहला और आखिरी बंकर दिगेन्द्र सिंह ने उड़ाया।

जब दिगेन्द्र पहला बंकर उड़ाने के लिए रात के अंधेरे में दुश्मन के बंकर में घुस गए थे, तभी इसकी भनक लगते ही दुश्मन ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। उस दौरान उन्हें चार गोलियां लगीं। इनके अलावा दो गोली उनकी एके 47 पर लगीं थीं, जो हाथ से छूट गई थी। उस वक्त अपनी सूझबूझ से घायल दिग्रेंद्र ने अपना और अपने साथियों की हिफाजत का ध्यान रखते हुए तुरंत एक ग्रेनेड उस बंकर में फेंक दिया। इसके बाद अचानक से पीछे से हमला हुआ और कई साथी गंभीर घायल हो गए। फिर उनकी कंपनी ने उन 30 हमलावरों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। उधर दिगेन्द्र सिंह कुछ साथियों के साथ आगे बढ़ते रहे और बीच-बीच में स्टेरॉयड युक्त पेनकिलर के इंजेक्शन का इस्तेमाल करते रहे। ऐसा करके दिगेन्द्र और उनकी टीम ने पूरे 11 बंकर तबाह कर दिए थे।

इस बीच, सुबह चार बजे उनके आखिरी साथी सरदार सुमेर सिंह राठौड़ को भी गोली लग चुकी थी। फिर उसकी एलएमजी लेकर दिगेन्द्र पहाड़ी की ओर आगे बढ़े, तब उन्हें रास्ते में पाकिस्तानी सेना मेजर अनवर खान दिखाई दिया। दोनों का आमना-सामना हुआ तो दिगेन्द्र सिंह एलएमजी से एक ही गोली चला पाए थे, तभी अनवर खान ने उन पर अपनी पिस्तौल से गोली दागी जो दिगेन्द्र के कमर के नीचे पांव में लगी। तभी उसकी गोलियां खत्म हो चुकी थी। इसके बाद अनवर ने दिगेन्द्र सिंह के ऊपर झपट्टा मारा, लेकिन दिगेन्द्र ने उसका गला पकड़ कर रखा और अपना खंजर निकालकर झटके से उसकी गर्दन उड़ा दी।

100 रुपए से कम की SIP के लिए टॉप-5 म्यूचुअल फंड, मिल रहा सालाना 37% तक का रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आप स्टॉक मार्केट पर ज्यादा नजर नहीं रख पाते तो आपके लिए म्यूचअल फंड पर निवेश सही विकल्प हो सकता है। आप 100 की SIP से भी बेहतर रिटर्न पा सकते हैं। हमने आपके लिए कुछ ऐसे ही 5 छोटी SIP निवेश यानी 100 रुपये मंथली वाले फंड चुने हैं। जिनमें 3 साल का ष्टत्रक्रमें 37 फीसदी तक है। यानी तीन साल पहले यदि इनमें आप 1 लाख लगाए होते तो यह 3 साल में 37 फीसदी के हिसाब से बढ़कर आज 1,37,000 हो जाते। तो चलिए इन टॉप 5 फंड्स के बारे में बारी-बारी से जानते हैं।

Bandhan Small Cap Fund- इस फंड ने पिछले तीन सालों में 37 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसमें आप न्यूनतम 100 रुपये की एसआईपी के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। इसका Expense Ratio 0.39% फीसदी है। इस फंड में सोभा, साउथ इंडियन बैंक, अपार इंडस्ट्री जैसे शेयर में निवेश होगा।

Kotak Pioneer Fund- इस फंड ने पिछले तीन सालों में 27 .31 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसमें आप न्यूनतम 100 रुपये की एसआईपी के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। इसका Expense Ratio 0.52% फीसदी है। इस भारती हेक्सकॉम, इटरनल, एस्टर डीएम, इंटरग्लोब एविएशन जैसे शेयर में निवेश होगा।

Aditya Birla SL Special Opp Fund- इस फंड ने पिछले तीन सालों में 23.82 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसमें आप न्यूनतम 100 रुपये की एसआईपी के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। इसका Expense Ratio 1.35% फीसदी है। इस फंड में सोभा, साउथ इंडियन बैंक, अपार इंडस्ट्री जैसे शेयर में निवेश होगा।

ICICI Pru Commodities Fund- इस फंड ने पिछले तीन सालों में 26.47 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसमें आप न्यूनतम 100 रुपये की एसआईपी के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। इसका Expense Ratio 0.99% फीसदी है। इस फंड में जिंदल स्टील, अंबुजा सीमेंट, वेदांता जैसे शेयर में निवेश होगा।

Axis Nifty 150 Index Fund- इस फंड ने पिछले तीन सालों में 18.92 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसमें आप न्यूनतम 100 रुपये की एसआईपी के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं।

आग से मची तबाही का शेयर बाजार में दिखा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर बुधवार को भी गिरे। लगातार तीसरे दिन कंपनी के शेयरों में गिर गिरावट जारी रही। Sigachi Industries के शेयरों में आ रही गिरावट का कारण तेलंगाना के प्लांट में आग लगना है। इस खबर को लिखते वक्त दोपहर 2 बजकर 37 मिनट पर कंपनी के शेयर 8.31 फीसदी गिरकर 42.24 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। BSE पर आज इसके शेयर 45.57 रुपये के स्तर पर ओपन हुए और यह 41.01 तक गए।

कंपनी ने बताया कि तेलंगाना इकाई में आग लगने की दुर्घटना में 40 टीम सदस्यों की जान चली गई तथा 33 से अधिक घायल हैं।

एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने दी दुर्घटना की जानकारी- सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी देते हुए कहा, इस दुर्घटना के तुरंत बाद से ही हम आपातकालीन प्रतिक्रिया, परिवार सहायता का समन्वय कर रहे हैं तथा जांच और अनुपालन प्रयासों में सहयोग दे रहे हैं। सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मृतकों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने का वादा किया है। घायलों के इलाज का पूरा खर्च और उनके रिहैबिलिटेशन में पूरी सहायता दी जाएगी।

फाइलिंग में कंपनी ने यह भी बताया कि रिएक्टर विस्फोट की वजह से प्लांट में आग नहीं लगी।

इस डिफेंस कंपनी के स्टॉक स्प्लिट होने से पहले टूट पड़े निवेशक, 4 जुलाई तक आपके पास भी है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयर बुधवार को शेयर बाजार में तेजी से भागे। इसके शेयर BSE पर 4.5% तक बढ़कर 1,702 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी को फ्रांसीसी रक्षा फर्म सेरबेयर से एंटी-ड्रोन सिस्टम के लिए एक नया अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिला है। इसकी घोषणा होते ही कंपनी के शेयरों ने रफ्तार पकड़ ली।

इसकी जानकारी कंपनी ने मंगलवार को एक्सचेंज फाइलिंग में दी। पारस डिफेंस ने कहा कि उसे CHIMERA 200 ड्रोन काउंटरमेजर सिस्टम की 30 इकाइयों की आपूर्ति के लिए सेरबेयर से ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर की वैल्यू 22.21 करोड़ रुपये है। इतना ही नहीं निवेशकों को तोहफा भी देने जा रही है। कंपनी के शेयर स्प्लिट होने वाले हैं। स्प्लिट शेयरों का लाभ उठाने के लिए इसके शेयरों पर निवेशक टूट पड़े। अगर आप भी स्प्लिट का फायदा उठाना चाहते हैं तो स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट से पहले आपको शेयर खरीदने होंगे।

कब है स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट- पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वह 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर को 2 हिस्सों में स्प्लिट कर रही है। यानी एक शेयर दो शेयर में बदल जाएंगे। और इसकी फेस वैल्यू 10 रुपये से कम होकर 5 रुपये हो जाएगी। कंपनी ने इसके लिए 4 जुलाई की रिकॉर्ड डेट निर्धारित की है। यानी अगर आप स्टॉक स्प्लिट का फायदा उठाना चाहते हैं तो आपको 4 जुलाई 2025 तक इसके शेयर खरीदने होंगे।

क्या होता है स्टॉक स्प्लिट- इस कॉर्पोरेट एक्शन का उद्देश्य रिटेल निवेशकों के लिए शेयरों की खरीद को आसान बनाना है। स्टॉक स्प्लिट प्रति शेयर वैल्यू को कम करके बकाया शेयरों की संख्या बढ़ाता है। यह कदम आम तौर पर लिक्विडिटी को बढ़ाता है। स्प्लिट करने से स्टॉक की कीमत कम हो जाती है लेकिन शेयरों की संख्या बढ़ जाती है, जिससे कंपनी की वैल्यूएशन पर इसका असर नहीं पड़ता।

3 साल में डबल हो सकता है टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों का भाव, ब्रोकरेज का बड़ा दावा, जानिए टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की एक कंपनी के शेयरों पर ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने बड़ा टारगेट प्राइस दिया है। मैक्रेरी के शेयरों पर बुलिश नोट के बाद टाटा कम्युनिकेशन के शेयर 5 फीसदी तक उछल गए और 1807 रुपये के स्तर पर बंद हुए। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म ने दावा किया है कि टाटा समूह की इस कंपनी के शेयरों का भाव अगले 3 साल में डबल हो सकता है। इस ब्रोकरेज रिपोर्ट के बाद 2 जुलाई को शेयरों में तेज खरीदारी देखने को मिली, और ट्रेडिंग वॉल्युम करीब 35 लाख रहा यानी एक दिन के दौरान इतनी बड़ी संख्या में शेयर खरीदे-बेचे गए।

ब्रोकरेज का बड़ा टारगेट प्राइस- सीएनबीसी-टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रोकरेज फर्म मैक्रेरी ने टाटा कम्युनिकेशंस पर आउटपरफॉर्म रेटिंग दी और 2,300 रुपये का टारगेट प्राइस दिया। यानी मौजूदा स्तर से यह शेयर 25 प्रतिशत तक का उछाल दिखा सकता है।

इस इंटरनेशनल ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, अगर शेयर में लगातार तेजी जारी रहती है तो टाटा कम्युनिकेशंस के शेयरों का भाव अगले 3 वर्षों में दोगुना हो सकता है। ब्रोकरेज फर्म की मानें तो कंपनी दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क में से एक का उपयोग करके अपने बिजनेस वेंचर को और सक्षम बना रही है। इससे पहले एक और ब्रोकरेज फर्म नुवामा ने टाटा कम्युनिकेशंस के शेयरों पर 2,000 का टारगेट प्राइस दिया था।

कमाल की है ये पोस्ट ऑफिस स्कीम, हर महीने होगी गारंटी कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोस्ट ऑफिस कई तरह की कमाल की स्कीम ऑफर करती है। इन सभी स्कीम से आप गारंटी रिटर्न पा सकते हैं। वहीं ये पूरी तरह से सुरक्षित है। अगर आप निवेश के साथ हर महीने अपनी कमाई करना चाहते हैं, तो आज हम आपके लिए एक बेस्ट स्कीम लेकर आए हैं।

हम बात कर रहे हैं पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम की। आइए इसके बारे में डिटेल में बात करते हैं।

कैसे होती है कमाई- पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम के तहत आप जो अमाउंट योजना में निवेश करते हैं। वहीं आपको हर महीने किस्त के रूप में मिलता है। इस स्कीम में अधिकतम 9 लाख रुपये तक निवेश किए जा सकते हैं। इस स्कीम के तहत आप हर महीने अपनी मोटी कमाई कर सकते हैं। मान लीजिए अगर आप इस स्कीम में लमसम 8,15,000 रुपये निवेश करते हैं, तो 7.4 फीसदी ब्याज के हिसाब से आपको हर महीने 5026 रुपये किस्त के रूप में मिल सकते हैं। इसका मतलब है कि इससे हर महीने 5000 रुपये की कमाई हो जाएगी।

कया-कया मिलते हैं फायदे- इस स्कीम के जरिए लाभार्थी की हर महीने अच्छी खासी कमाई हो जाती है। इसका लॉक इन पीरियड 5 सालों का है। इसका मतलब है कि आप इस योजना से 5 साल से पहले निकासी नहीं कर सकते।

ऐसा करने पर आपको उम्मीद से कम अमाउंट मिलता है। अगर कोई व्यक्ति 1 से 3 साल के बीच में निकासी करता है, तो उसका मैच्योरिटी अमाउंट से 2 फीसदी घटाया जाता है। ऐसे ही अगर 3 से 5 साल के बीच में निकासी हो, तो कुल मैच्योरिटी अमाउंट का 1 फीसदी घटाया जाता है।

वहीं कोई भी व्यक्ति 1 साल से पहले निकासी नहीं कर सकता।

अगर दो लोग मिलकर इस स्कीम में अप्लाई कर रहे हैं, तो वे 15 लाख रुपये तक निवेश कर सकते हैं।

बुरे वक्त में अनिल अंबानी ने बेची थी ये कंपनी, जिसने खरीदी उसकी चांदी, 2 से 228 रुपये पर पहुंचा शेयरों का भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों ने काफी बुरे दौर देखे हैं। कुछ साल पहले अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की एक कंपनी को बेचना पड़ा और आज वह कंपनी और उसके शेयर छाए हुए हैं। दरअसल, स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो पहले रिलायंस लेवल एंड इंजीनियरिंग के नाम से जानी जाती थी उसे स्वान एनर्जी ने अनिल अंबानी से खरीद लिया था। जब यह कंपनी इनसॉल्वेंसी में थी तब इसके शेयरों की कीमत 2 रुपये हो गई थी और अब प्राइस 228 रुपये है।

जनवरी 2024 में स्वान एनर्जी ने अनिल अंबानी की इस कंपनी का मैनेजमेंट कंट्रोल हासिल कर लिया और 2 जनवरी 2025 में इसका नाम बदलकर स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड कर दिया। तब से अब तक इस कंपनी के शेयरों ने 500त्न रिटर्न दे दिया है।

जनवरी 2025 में इस कंपनी के नाम बदलाव के बाद शेयरों ने तगड़ी तेजी दिखाई और 500 फीसदी रिटर्न डिलीवर कर दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

स्टूल पर बैठे-बैठे अचानक ASIआया हार्ट अटैक

दमोह। जीवन कितना क्षणभंगूर इसका कोई भरोसा नहीं है। देखते ही देखते अच्छे-खासे इंसान की जीवनलीला समाप्त हो जा रही है। ऐसा ही कुछ दमोह में भी हुआ है। यातायात पुलिस थाना दमोह में पदस्थ एएसआइ रमेश तिवारी 58 साल निवासी जबलपुर नाका की सोमवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम करीब छह बजे वह अस्पताल चौराहा पर ड्यूटी के दौरान पैर में लगी पुरानी चोट की पट्टी बंधवाने मानस भवन काम्प्लेक्स स्थित एक क्लिनिक पहुंचे थे। इसी दौरान क्लिनिक में स्टूल पर बैठे-बैठे अचानक नीचे गिर पड़े, क्लिनिक में मौजूद लोगों ने तत्काल एएसआई रमेश तिवारी

को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. यशपाल और वार्डबाय रोहित समेत मेडिकल टीम ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने का प्रयास किया।

सिविल सर्जन डॉ. प्रहलाद पटेल, डॉ. उमेश तंतुवाय और डॉ. चक्रेश चौधरी भी मौके पर पहुंचे और उन्हें आइसीयू में भर्ती कर इलाज किया लेकिन जान नहीं बची। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी सुजीत सिंह भदौरिया, कोतवाली टीआइ मनीष कुमार, यातायात थाना प्रभारी दलवीर सिंह मार्को सहित कई पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और जानकारी ली।

यातायात थाना प्रभारी के मुताबिक शाम करीब 6.30 बजे की घटना है, प्रारंभिक तौर पर डाक्टरों ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है। उन्होंने बताया कि एएसआई तिवारी को पैर में तलवे के पास चोट थी जो ठीक नहीं हो रही थी। स्वजन के अनुसार उन्हें और उनके परिवार को शुगर की भी समस्या है।परिवार में शुगर बीमारी की हिस्ट्री तिवारी के दो बेटे है जिनमें बड़ा बेटा जबलपुर में आरक्षक है और छोटा बेटा उनके साथ रहता है। उल्लेखनीय है कि रमेश तिवारी के परिवार में शुगर की समस्या के कारण ही उनके सबसे बड़े भाई राजेंद्र तिवारी, जो पुलिस विभाग में ही पदस्थ थे की भी मृत्यु हो गई थी।उनके पुत्र राहुल तिवारी यातायात पुलिस में ही आरक्षक के पद पर पदस्थ है। इसी प्रकार उनके दूसरे भाई जगदीश तिवारी जो शिक्षक विभाग में शिक्षक थे की भी मृत्यु शुगर के कारण ही हुई थी, उनका पुत्र भी इमलिया में हाई स्कूल में पदस्थ है।

18 साल बाद मिला इंसाफ, ट्रायल कोर्ट ने दी थी 1 साल की जेल की सजा

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए 18 साल आरोपी के पक्ष में फैसला सुनाया है और उसे बरी किया है। अपने इस फैसले में न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की एकलपीठ ने ग्राम पोंडी, पाटन, जबलपुर निवासी लोक सिंह को 18 वर्ष बाद दोषमुक्त करार दे दिया। उसके विरुद्ध ट्रायल कोर्ट की ओर से पारित आदेश अनुचित पाकर निरस्त कर दिया गया।

ट्रायल कोर्ट ने उसे 18 साल पहले 1 वर्ष के कारावास और 25 हजार जुर्माने की सजा सुनाई थी। जुर्माना राशि जमा न करने पर छह माह के अतिरिक्त कारावास की व्यवस्था दी गई थी। इस सजा के विरुद्ध पहले सेशल कोर्ट में अपील की गई, जहां ट्रायल कोर्ट का आदेश यथावत रखा गया। इसीलिए हाई कोर्ट में रिवीजन दायर की गई। यह था मामला

हाई कोर्ट में लोक सिंह का पक्ष अधिवक्ता प्रमेंद्र सेन व प्रवीण सेन ने रखा। उन्होंने दलील दी कि 16 फरवरी, 2004 को बेलखेड़ा पुलिस ने 54 लीटर देसी शराब जब्त करने का अपराध पंजीबद्ध कर लिया था। उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम अंतर्गत मामला बनाया गया था। 28 अगस्त, 2006 को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी, पाटन की कोर्ट ने सजा सुना दी। जिसके विरुद्ध 2007 में हाई कोर्ट की शरण ले ली गई थी।दरअसल, यह मामला दुर्भावनावश फंसाए जाने से संबंधित था। अवैध शराब से लोक सिंह का कोई सरोकार नहीं था। इसीलिए वह अपनी बेगुनाही साबित करने जमानत हासिल करने के बाद से लंबे समय तक इंसाफ की लड़ाई लड़ता रहा। हालांकि अंत में हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाया और 18 साल बाद लोक सिंह को दोष मुक्त कर दिया गया है।

लूट के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

कटनी। स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र में लूट की घटनाएं बढ़ती जा रही है। छपरा में लूट से पहले भी कई लूट की वारदात हो चुकी हैं। इनमें से कई मामलों में पुलिस को आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है। कई मामले में अभी भी आरोपियों अता पता नहीं है। हालांकि 18 जून को राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर चाकू की नोक पर कार सवारों को लूटने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि आरोपी ने स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के छपरा में हुई लूट को करना कबूल किया है। इसके बाद स्लीमनाबाद पुलिस ने आरोपी को खितौला से लाकर न्यायालय में पेश कर दो दिन की रिमांड पर लिया है। अभी वारदात के तीन आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। ई इसे लेकर चोर से पूछताछ जारी है।

इसके साथ ही पुलिस ने लूट का सामान खरीदने वाले दो व्यापारियों को भी गिरफ्तार किया है। मंगलवार को मामले का पर्दाफाश करते हुए कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि स्लीमनाबाद थाना के छपरा में सनसनीखेज लूट की वारदात हुई थी। जिसके थाना क्षेत्र की पुलिस समेत अन्य पुलिस कर्मियों को टीम बनाकर आरोपियों को पकड़ने के लिए लगाया गया था।

स्लीमनाबाद क्षेत्र के छपरा की लूट के मामले को लेकर पुलिस की टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी रही। इस दौरान खितौला थाना की पुलिस की गिरफ्त में आरोपी चोर रुआ पारधी (21 वर्ष) आया। पूछताछ में पता चला कि इसने छपरा में हुई लूट की वारदात को अंजाम दिया था। स्लीमनाबाद पुलिस थाना ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। वहां पूछताछ के लिए दो दिन की रिमांड ली गई है। लूट के आभूषण खरीदने वाले पकड़े एसपी ने बताया कि मामले में आरोपियों से लूट का समान खरीदने वाले दो व्यापारी संजय उर्फ संजू सोनी (38 वर्ष) और अंकित उर्फ अखिलेश सोनी (35 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा वारदात के तीन आरोपी राज पारधी, उजाला पारधी, टीच पारधी को पुलिस तलाश रही है।

आरोपियों से सामान जब्त-आरोपियों से वारदात में लूटा गया समान पुलिस ने जब्त किया है। जिसमें गला हुआ सोना 19.6 ग्राम, 1 सोने की चेन 19.2 ग्राम, 1 नग सोनी की अंगूठी 2.6 ग्राम, एक जोड़ी सोनी बाली 2 ग्राम, एक सोनी खुटिया 0.180 ग्राम, नकद 2 हजार रुपये शामिल है। आरोपियों से कुल 43.71 ग्राम सोनी तकरीबन 4 लाख 50 हजार रुपये का जब्त किया गया है।

नीट पीजी काउंसलिंग फिर टली, मेडिकल के विद्यार्थी परेशान

भोपाल । मध्य प्रदेश में नीट पीजी काउंसलिंग की प्रक्रिया फिर से टल गई है। इससे मेडिकल के विद्यार्थी परेशान हैं। एमडी और एमएस की 1,180 सीटों के लिए कुल 4,034 उम्मीदवार दावेदार हैं।

गुरुवार से च्वाइस फिलिंग और सीट लाकिंग की प्रक्रिया शुरू होनी थी, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे टाल दिया गया। मेडिकल विद्यार्थियों का कहना है कि बार-बार काउंसलिंग टलने से उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इससे उन्हें पीजी सीट पाने में कठिनाई हो रही है। मध्य प्रदेश में प्रक्रिया की गति बहुत धीमीछात्रों ने कहा कि अन्य राज्यों जैसे तेलंगाना में काउंसलिंग तेज गति से हो रही है। वहां एक दिन में च्वाइस फिलिंग और रिजल्ट जारी कर दिया जाता है, लेकिन मध्य प्रदेश में प्रक्रिया की गति बहुत धीमी है।

छात्रों को परेशानीपहले राउंड में भी देरी हुई थी, जिससे उम्मीदवारों को आर्थिक और शैक्षणिक नुकसान हुआ। अब दूसरे राउंड की देरी से छात्रों को और परेशानी होगी। खासकर जब आल इंडिया काउंसलिंग का तीसरा चरण तीन फरवरी तक खत्म हो जाएगा।

कई सीटें खाली रह जाएंगीसीटें खाली, समय कम प्रदेश के आठ निजी मेडिकल कॉलेजों में 741 और सरकारी कॉलेजों में 439 सीटें खाली हैं। विद्यार्थियों को डर है कि यदि दूसरे राउंड की काउंसलिंग समय पर नहीं हुई, तो कई सीटें खाली रह जाएंगी और इसका सीधा नुकसान छात्रों को होगा।

छात्रों ने प्रशासन से काउंसलिंग प्रक्रिया को तेज करने और समय पर पूरा करने की मांग की है ताकि वे समय पर अपनी पढ़ाई शुरू कर सकें।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए बड़ी सुविधा, इसी हफ्ते से खुलेगा एसी वेटिंग रूम

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को लंबे समय से जिस सुविधा का इंतजार था, वह अब पूरी होने जा रही है। रेलवे प्रशासन द्वारा प्लेटफार्म-एक पर बनाए जा रहे वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष का काम पूरा हो चुका है और इसे जुलाई के पहले सप्ताह से यात्रियों के लिए शुरू कर दिया जाएगा।

बारिश में यह सुविधा यात्रियों के लिए राहत देने वाली साबित होगी।

नव निर्मित वेटिंग हाल में यात्रियों के बैठने के लिए आरामदायक कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। रेलवे वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष के अलावा प्लेटफार्म नंबर-एक पर नया पॉड होटल भी बना रहा है।

इससे पहले प्लेटफार्म नंबर-छह पर पॉड होटल की सुविधा यात्रियों को दी जा चुकी है। अब प्लेटफार्म-एक पर भी इसी तरह की आधुनिक, सस्ती और सुरक्षित विश्राम सुविधा तैयार की जा रही है, जिसमें एक साथ 60 यात्री ठहर सकेंगे। अभी रेलवे की ओर से इसका शुल्क तय नहीं किया गया है।

वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष और पॉड होटल जैसी सुविधाएं यात्रियों को न केवल आरामदायक यात्रा अनुभव देंगी, बल्कि ठहरने को भी सुविधाजनक बनाएंगी।

- नवल अग्रवाल,
पीआरओ, रेल मंडल

पालकों द्वारा चाहे जाने पर स्कूली बच्चों को टीसी देना अनिवार्य- टीसी नहीं देने पर होगी कार्यवाही

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने जिले के सभी स्कूलों को निर्देशित किया है कि वे पालकों द्वारा चाहे जाने पर बच्चों को टीसी (स्थानांतरण प्रमाणपत्र) अनिवार्य रूप से देवें। आवेदन पर टीसी नहीं देने वाले स्कूल संचालकों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया है वे जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का पूर्ण गंभीरता के साथ सकारात्मक रूप से समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर कार्यालय में आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के समक्ष अग्रवाल पब्लिक स्कूल के कुछ पालक आये और उन्होंने बताया कि उनके बच्चों को स्कूल द्वारा टीसी नहीं दी जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला पंचायत सीईओ को इस मामले की जांच कर पालकों को नियमानुसार तुरंत टीसी दिलवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस तरह की समस्याएं अन्य स्कूलों में भी नहीं होना चाहिए। जनसुनवाई में भूमि और प्लॉट संबंधी आवेदन भी बड़ी संख्या में आये। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि भूमाफियाओं के विरूद्ध इंदौर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। अनियमितताएं और प्लॉट धारकों के साथ धोखाधड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने अनेक मामलों में दूरभाष पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कार्यवाही के निर्देश दिये। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन नौकरी हेतु आवेदन लेकर आये, जिनके लिए संबंधित विभाग को कौशल विकास के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये। उन्होंने नागरिकों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका संवेदनशीलता के साथ हाथों-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जो मौके पर निराकृत नहीं हो सकी, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई।

जनसुनवाई में आवास, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, निजी भूमि पर अतिक्रमण, बीमार व्यक्ति को आर्थिक सहायता आदि संबंध में आवेदन आयें। जनसुनवाई में प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष प्रकरणों को तय समय-सीमा में निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को इलाज, शिक्षा एवं रोजगार सहायता भी प्रदान की गई। निर्देश दिए गये कि जो प्रकरण मौके पर निराकृत नहीं हो सकते, उन्हें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कर, समय-सीमा में सकारात्मक समाधान किया जाए। जनसुनवाई में आए हर आवेदन का फॉलोअप सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि किसी भी आवेदक को दोबारा परेशानी का सामना न करना पड़े। त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं मध्यस्थता केंद्रों को प्रेषित किए गए है ताकि निर्धारित समय-सीमा में इनका निराकरण हो सकें। जनसुनवाई में आज कलेक्टर कार्यालय में अपर कलेक्टरों और अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदकों की समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल से की सौजन्य भेंट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल से भोपाल में आज सौजन्य भेंट की। मंत्री श्री सिलावट ने उनका आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने सांवेर विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीणों की सुविधा के अनुसार सामुदायिक भवनों, पंचायत भवनों और नवीन जनपद पंचायत भवन स्वीकृत करने का आग्रह किया।

मुलाकात में श्री सिलावट ने 58 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक स्वीकृत करने की मांग की। मंत्री श्री सिलावट ने मंत्री श्री पटेल को अवगत कराया कि सांवेर विधानसभा के 110 ग्राम पंचायतों में से 52 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन है। शेष 58 ग्राम पंचायतों में भी सामुदायिक भवन स्वीकृत किया जाये। इनके बनने से क्षेत्र के सैंकड़ों किसानों, ग्रामीणों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को सुविधा होगी। साथ ही उन्हें सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रम हेतु सुरक्षित और सुविधाजनक भवन मिलेगा। प्रत्येक सामुदायिक भवन की लागत प्रति भवन 25 लाख रुपये होगी। मंत्री श्री सिलावट ने सामुदायिक भवनों की सूची भी मंत्री श्री पटेल को सौंपी। मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र में 13 ग्राम पंचायतों के जीर्णशीर्ण पंचायत भवनों के स्थान पर नवीन अटल सुशासन पंचायत भवन स्वीकृत करने का अनुरोध भी किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने इंदौर जिले के ग्रामों का औचक निरीक्षण किया

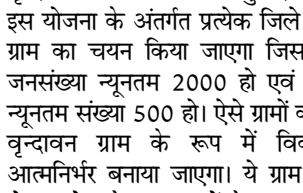

इंदौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को विकासखंड इंदौर के ग्रामों का भ्रमण कर शासन की स्वास्थ्य व शिक्षा संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। साथ ही अन्य विभिन्न शासकीय संस्थाओं का भ्रमण कर निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम ग्राम पंचायत तिल्होरखुर्द के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण मध्यान भोजन वितरण के समय किया। उन्होंने भोजन ग्रहण कर रही छात्राओं से संवाद कर भोजन की गुणवत्ता परखी। साथ ही छात्रावास में निवास कर रही छात्राओं से विस्तार से चर्चा की गयी। चर्चा में छात्राओं द्वारा सुबह के समय नाश्ते में फलों की मात्रा कम होने सम्बन्धी जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी को दी गयी। जिस पर तत्काल जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान को निर्देशित कर उक्त समस्या के निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही प्रति सप्ताह कम से कम दो दिवस उक्त छात्रावास में भ्रमण कर निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया।

एक बगिया मां के नाम बनेगी आजीविका का नया माध्यम, महिलाएं होंगी लाभान्वित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में ÷एक बगिया मां के नाम÷ से नई योजना आरंभ की जा रही है। इसमें प्रदेश स्तर पर स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं की 30 हजार एकड़ भूमि पर लगभग 900 करोड़ की लागत से आजीविका संवर्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फल उद्यान विकसित किए जाएंगे। इस योजना में हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग और सिंचाई के लिए जल कुंड बनाने के लिए भी धनराशि प्रदान की जाएगी। उद्यान विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लगभग 100 नदियों के उद्गम स्थलों पर 10-10 एकड़ भूमि पर 42 करोड़ रुपए की लागत से पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से 15 सितंबर तक ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान आयोजित होगा, जिसे पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, उद्यानिकी सहित सभी विभाग जनसहभागिता से संचालित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया जाना है। समिति में सांसद, विधायक, पंचायत तथा नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ही चिकित्सा, विधि, इंजीनियरिंग, समाज सेवा, कृषि, उद्यानिकी डेयरी आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रख्यातजन शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत का पानी खेत में संचित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 85 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण किया गया। भूजल संवर्धन के लिए 1 लाख से अधिक कुओं का पुनर्भरण किया गया।

इंदौर में लोक निर्माण विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने किया वृहद पौधरोपण

इंदौर। इंदौर में आज लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह निर्देश पर पौध रोपण का विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों ने जगह-जगह एक साथ पौध रोपण किया। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में एक लाख से अधिक पौधे लगाये गये।

कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग श्री एस.एन. सोनी ने बताया कि लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज एक जुलाई को पर्यावरण संरक्षण और हरित मध्य प्रदेश की दिशा में राज्यभर में एक साथ एक लाख पौधे लगाने का विशेष लक्ष्य तय किया था। इसके तहत इंदौर में आज दो हजार से अधिक पौधे विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने सड़कों के किनारे, विश्रामगृह परिसरों, विभागीय भवनों और उपलब्ध भूमि पर लगाये। इस वृहद अभियान की शुरूआत प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने भोपाल के लिंक रोड नंबर 1 स्थित चिनार उद्यान में पौधारोपण कर की। लगाये गये पौधों में नीम, पीपल, अर्जुन, आम, अमरूद, कचनार, गुलमोहर, बकाइन आदि को प्राथमिकता दी गई ।

श्री सोनी ने बताया कि मंत्री जी के निर्देशानुसार लोक निर्माण विभाग केवल पौधे लगाने तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इनके संरक्षण और देखरेख की भी प्रभावी व्यवस्था की गई है।

इंदौर में यातायात नियमों का 10 से अधिक बार उल्लंघन करने वाले आदतन वाहन चालकों के वाहनों के पंजीयन होंगे निरस्त

इंदौर। इंदौर में यातायात सुधार की मुहिम लगातार जारी है। इसे और? अधिक प्रभावी बनाने के लिये आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने यातायात सुधार, इंटेलिजेंट इंटिगेट्रड ट्रॉफिक मैनेजमेंट सिस्टम प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन और ई-चालान के भुगतान की प्रक्रिया को सरलीकृत करने, ट्रॉफिक सिग्नलों के समय में सुधार के संबंध में व्यापक चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि इंदौर में 10 से अधिक बार यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले आदतन वाहन चालकों के वाहनों के पंजीयन निरस्त किये जायेंगे। साथ ही मोडिफाई वाहनों के विरूद्ध चल रही कार्रवाई को तेज किया जायेगा और ट्रॉफिक सिग्नलों के समय में आवश्यक सुधार किया जायेगा।

बैठक में स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा सहित यातायात पुलिस, एनआईसी, कोषालय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि यातायात नियमों का 10 से अधिक बार उल्लंघन करने वाले आदतन वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उनके वाहनों के पंजीयन निरस्त किये जाये। इसके लिए उन्होंने यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। श्री सिंह ने निर्देश दिये कि इंदौर शहर के बीआरटीएस क्षेत्र के चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नलों को वाहन चालकों की सुविधा के अनुसार बनाया जाये। इसके लिये सिग्नलों का समय वाहन चालकों की सुविधा एवं यातायात दबाव के अनुसार निर्धारित किया जाए। वाहन चालकों को सिग्नल के कारण किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो। बारिश के समय यह ध्यान रखा जाए कि सिग्नल किसी भी तरह से बंद नहीं हो। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए की मॉडिफाई वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि मॉडिफाई वाहनों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई को तेज किया जाए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने के तहत चालान की राशि जमा करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे विकल्प रखे जाएं की चालान के साथ ही क्यूआर कोड आ जाए और वाहन चालक आसानी से चालान की राशि भुगतान कर सके।

ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन किया गया। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले में एक ऐसे ग्राम का चयन किया जाएगा जिसकी वर्तमान जनसंख्या न्यूनतम 2000 हो एवं गौ-वंश की न्यूनतम संख्या 500 हो। ऐसे ग्रामों को मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम के रूप में विकसित कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। ये ग्राम आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के अन्य ग्रामों के समक्ष विकास का आदर्श प्रस्तुत करेंगे। इस योजना के अंतर्गत गौ-पालन एवं डेयरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, चारागाह विकास, अधोसंरचना विकास, स्वरोजगार सहित ग्रामीण विकास के विषयगत दृष्टिकोणों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किये जाने का निर्णय लिया गया।

राज्य शासन की अवधारणा है कि प्रदेश में कुछ ग्राम इस प्रकार विकसित किये जायें ताकि वे आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के समस्त ग्रामों के लिए उदाहरण बनें तथा अन्य ग्राम इन चयनित ग्रामों से प्रेरित होकर स्वयं भी आत्मनिर्भरता और चहुँमुखी विकास की ओर अग्रसर हों। इन चयनित ग्रामों में विभिन्न विभागों के अन्य विकास कार्यों के साथ मुख्य रूप से गौवंशीय एवं अन्य दुधारू पशुओं के पालन, दुग्ध-उत्पादन एवं डेयरी विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। जहां स्वच्छता एवं हरियाली के साथ-साथ गौसेवा और आध्यात्मिकता से समन्वित आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रत्यक्षतः दृष्टिगोचर हो और ग्राम वृन्दावन के रूप में साकार हो सके।

मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के उद्देश्यों में गौपालन एवं डेयरी विकास को बढ़ावा देना। ग्राम को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ सहकारिता के माध्यम से दुग्ध व्यवसाय का प्रसार करना, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार हो सके। पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण तथा सौर ऊर्जा संबंधी गतिविधियों को जनभागीदारी से क्रियान्वित करना, चारागाह विकास, ग्राम में अधोसंरचना विकास, ग्रामीण परिवारों का रोजगार/स्वरोजगार आधारित आर्थिक सुदृढ़ीकरण और ग्रामीण विकास के विषयगत दृष्टिकोणों को अपनाते हुए सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना है। चयनित वृन्दावन ग्राम में विभिन्न विभागों के माध्यम से जो सुविधाएं उपलब्ध करायी जाना है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्यवाही, जप्त की 4000 किलो अमानक पॉलिथिन

उज्जैन। आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देश के क्रम में स्वास्थ्य अमले द्वारा निरंतर अमानत स्तर की पॉलिथिन का उपयोग करने वालों पर पॉलिथिन जप्त करते हुए जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है साथ ही बढ़े स्तर पर पॉलिथिन के क्रय विक्रय पर भी नजर रखी जा रही है इसी क्रम में बुधवार को इंदौर से उज्जैन आ रही 4 टन अमानक पॉलिथीन को स्वास्थ्य विभाग उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता के नेतृत्व में टीम द्वारा शिव शक्ति ट्रांसपोर्ट नलिया बाखल के सामने दबिश देकर जब्त किया गया।

निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा नियमित भ्रमण के दौरान पाया जा रहा था कि अमानक पॉलिथीन बाजार में उपयोग में लाई जा रही है इसी के तहत नगर पालिका निगम के स्वास्थ्य विभाग उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता ने इंदौर से उज्जैन की और आ रही अमानक पॉलीथिन जो कि 4 व्यापारियों के आर्डर पर शिव शक्ति ट्रांसपोर्ट नालियां बाखल पर सुबह 10 बजे मंगाई गई थी ट्रांसपोर्ट वाहन में रखे 69 बैगों अमानक पॉलीथिन को जब्त कर निगम टीम द्वारा ग्रांड होटल परिसर लाया गया जहां मध्य प्रदेश प्रदूषण बोर्ड के वैज्ञानिक श्री प्रतिम खरे, रासायनज्ञ श्री अशोक राणावत श्री देवेंद्र सोलंकी द्वारा पंचनामा बनाकर अमानक पालीथीन की जांच की गई जिसमें सभी पॉलीथिन बैग अमानक पाए गए । आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देशन में अमानक पॉलिथीन कार्यवाही निरन्तर संपादित किए जाने के साथ नगर के सभी नागरिकों से अपील की गई कि अमानक पॉलिथिन का उपयोग नित्य उपयोगी वस्तुओं के क्रय विक्रय में नहीं करे कपड़े की थैली का उपयोग करे।

नैनो उर्वरकों के उपयोग एवं महत्त्व पर कार्यशाला आयोजित

उज्जैन। कृषि विभाग के अधिकारियों हेतु नैनो उर्वरकों के उपयोग एवं उनके महत्त्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र, उज्जैन में किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन इफको द्वारा किया गया, जिसमें कृषि विभाग के 120 से अधिक अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उप संचालक कृषि यू.एस. तोमर ने की। कार्यशाला में जिले के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, सहायक संचालक एवं समस्त कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में इफको उज्जैन के क्षेत्र प्रबंधक दीपक पाल ने इफको द्वारा सहकारिता एवं कृषक हित में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संतुलित उर्वरक उपयोग से न केवल कृषकों की लागत में कमी आती है, बल्कि उत्पादन की गुणवत्ता एवं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।

इस अवसर पर संतोष रघुवंशी, उप प्रबंधक (कृषि सेवाएं), राज्य कार्यालय भोपाल, ने पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के वैज्ञानिक उपयोग, प्रभावशीलता एवं पर्यावरणीय लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पारंपरिक दानेदार उर्वरकों की तुलना में नैनो उर्वरक कम मात्रा में उपयोग होने पर भी अधिक प्रभावी सिद्ध होते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में यू.एस. तोमर ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे इस तकनीक की जानकारी अधिक से अधिक कृषकों तक पहुँचाएँ और उन्नतशील कृषकों के अनुभवों को साझा करें, ताकि जिले में नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा मिल सके।

कार्यशाला में सहायक संचालक कमलेश राठौर ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि नैनो उर्वरकों के प्रयोग से किसानों को बेहतर उत्पादन और कम लागत का लाभ मिला है। कार्यक्रम का समापन दीपक पाल द्वारा सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त कर किया गया।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा चिकित्सक दिवस पर कार्यशाला आयोजित

उज्जैन। इंडियन डेंटल एसोसिएशन की उज्जैन शाखा द्वारा राष्ट्रभारती हाई सेकेंडरी स्कूल में डॉक्टर्स-डे के उपलक्ष्य पर स्कूल के विद्यार्थियों के लिए ओरल हाइजीन एवं किड्स डेंटल केयर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. प्रिंस कुशवाहा ने बताया की कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को दंत रोग एवं तंबाकू के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराना था। कार्यशाला में आईडीए उज्जैन के अध्यक्ष डॉ. इमित सलूजा ने उपस्थित 250 से अधिक विद्यार्थियों एवं स्कूल के स्टाफ को उचित ब्रशिंग टेक्निक एवं डॉ. सागर मारोठिया ने दांतों की साफ सफाई हेतु उचित दिशा निर्देश प्रदान किए।

निगमायुक्त आशीष पाठक के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने हेतु विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग

उज्जैन। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र गब्बर कुवाल ने निगमायुक्त आशीष पाठक के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हेतु सदन का विशेष सत्र बुलाये जाने की मांग की है। निगम सभापति कलावती यादव एवं संभागायुक्त को पत्र सौंपकर राजेंद्र कुवाल ने कहा कि आयुक्त आशीष पाठक द्वारा किये जा रहे कृत्यों के कारण सदन को इनके कार्यकलापों पर विश्वास नहीं है। कुवाल ने दावा किया कि केवल कांग्रेसी ही नहीं भाजपा के पार्षद भी निगमायुक्त की कार्यप्रणाली के खिलाफ हैं, यदि गोपनीय वोटिंग कराई जाती है तो नगर निगम के निगमायुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आ सकता है।

राजेंद्र गब्बर कुवाल ने पत्र में कहा कि आशीष पाठक द्वारा नियमों की अनदेखी कर उनके द्वारा कमीशन लेकर अपनी पसंद के ठेकेदारों को राशि का भुगतान किया जाता है। कार्य भी केवल अपनी पसंद के लोगों को दिये जाते हैं। इस कारण से वार्डों में ठेकेदारों द्वारा उनका पूर्व का भुगतान न होने के कारण ठेके नहीं लिये जा रहे हैं। जो काम पाठकजी कराना चाहते हैं उनका भुगतान भी होता है और टेण्डर की औपचारिकता भी कर ली जाती है। नगर निगम में श्री पाठक के कार्यकाल में बिना कमीशन के कोई कार्य नहीं हो रहा है। ठेकेदारों से अनौपचारिक चर्चा में यह बताया गया कि 25 प्रतिशत तक कमीशन लिया जाता है। आशीष पाठक द्वारा अपनी पसंद के ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए वर्ष 2024 में नगरीय प्रशासन विभाग से प्राप्त राशि 130 करोड के टेण्डर 7 दिन की अवधि में बुलाए जाने के कार्यवाही की गई और शासन से अनुमति ली गई। कोई इमरजेंसी नहीं थी फिर भी अपने पसंद के ठेकेदारों को कार्य दिलाया गया। स्वच्छता अभियान 2024-25 में वाल पेंटिंग के नाम पर केवल दीवारों पर सन् बदल दिये गये या पेंटिंग पर रिपेयरिंग कर दी गई। इसमें 4 करोड का पैनल टेण्डर बुलाकर केवल एक ठेकेदार से संपूर्ण कार्य कराया गया।

जीतू पटवारी के खिलाफ झूठी एफआईआर से आक्रोशित कांग्रेसियों ने किया एसपी कार्यालय का घेराव

भाजपा को किसी की मदद करना भी गवारा नहीं- मुकेश भाटी

उज्जैन। मुंगावली की घटना को लेकर शहर कांग्रेस ने 2 जुलाई को एसपी कार्यालय का घेराव किया। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी एसपी कार्यालय पहुंचे और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के समर्थन में नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा।

मुकेश भाटी ने कहा कि भाजपा के राज में प्रदेश में अत्याचार चरम सीमा पर है, किसी की मदद करना भी सत्ता रूढ़ पार्टी को गवारा नहीं, सत्ता के नशे में चूर भाजपा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ द्वेशतापूर्ण तरीके से जो कारवाई की गई है वो सत्ता पक्ष की बौखलाहट है। हम सभी कांग्रेसजन इसका विरोध करते हैं। जीतू पटवारी के खिलाफ की गई झूठी एफ आई आर वापस नहीं ली गई तो आने वाले समय में कांग्रेस पूरे प्रदेश में सड़को पर उतरेगी। संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर नेता प्रति पक्ष रवि राय, अजीत सिंह ठाकुर, माया त्रिवेदी, विवेक यादव, राजेंद्र वशिष्ठ, करण कुमारिया, गब्बर कुवाल, अभीषेक शर्मा, वीरेन्द्र गोसर, सतीश मरमट, पूर्व पार्षद हिमांशु जोशी, रमेश परिहार, मुजीब सुपारी, सोनिया ठाकुर, स्वाती सिंह, प्रेमलता रामी, चैनसिंह चौधरी, देवव्रत यादव, छोटेलाल मंडलोई, फिरोज पठान, अनवर नागोरी, हिमांशू शर्मा, राजेंद्र राठौर, सादिक कुरेशी, हिमांशू जोशी, लकी ठाकुर, देवेंद्र पाटनी, गजेंद्र मारोठिया, वरुण शर्मा, श्याम जटिया, ललित मीणा, असरार मामू, समद खान, कृष्णा यादव, रियाज खान, फूलचंद जरिया, चंदू यादव सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। ज्ञापन का वाचन शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने किया।

भारत मां की आरती के साथ पूर्ण हुई 29वीं सिंधु दर्शन यात्रा

उज्जैन। 29वीं सिंधु दर्शन यात्रा लेह लद्दाख में मां सिंधु नदी के त टपर पूजन, अभिषेक, स्नान एवं मां भारती की आरती के साथ संपन्न हुई।

यात्रा समिति के अनिल शर्मा ने बताया कि 18 जून को उज्जैन से यात्रा रवाना हुई थी। 2 जुलाई को सभी यात्री यात्रा पूर्ण कर उज्जैन लौटे। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर सभी यात्रियों का मुंह मीठा कर ढोल ढमाकों, पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया। सिंधु यात्रा उज्जैन से कुरूक्षेत्र, मनाली, रोहतांग, अटल टनल, शैलांग, लेह, नुब्रा वेली, खारडूंगला, पेगांग लेक, कारगिल, हास, श्रीनगर, जम्मू होते हुए उज्जैन पर समाप्त हुई। इस अवसर पर प्रकाश चित्तौड़ा, राजेंद्र शर्मा, वीरेंद्रसिंह राजपूत, अनिल शर्मा ने सभी यात्रियों का स्वागत किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com